RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 9 अंक : 01 | लखनऊ, रविवार, 6 जुलाई 2025 से 5 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

PAUP
PHOTOGRAPHERS ASSOCIATION UTTAR PRADESH
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश
Invites You !
4th EDITION
INDIA
UTTAR PRADESH
PHOTO & VIDEO
EXPO
Fri 12
Sat 13
Sun 14
सितम्बर 2025
इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान
हाईकोर्ट के पास, विभूति खण्ड, गोमती नगर
लखनऊ, उत्तर प्रदेश
ORGANISERS
BUY SELL interactions
CELEBRATING 25th YEAR
MEDIA PARTNER
स्टूडियो न्यूज
Email: info@buysellint.biz,
Web: www.buysellint.com
CONCURRENT SHOW
DPS EXPO
DIGITAL PRINT & SIGN
12, 13 & 14 SEPTEMBER 2025
Indira Gandhi Pratishthan, LUCKNOW
For Details Contact : +91 73090 18387 (Dinesh Chandra Verma) / 98397 45698 (Deepak Kapoor)

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जुलाई 2025 से 5 अगस्त 2025

‘ कैमरा एक उपकरण है जो लोगों को सिखाता है कि कैमरे के बिना कैसे देखा जाए - डोरोथे लांगे

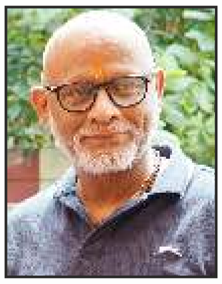

सम्पादक की कलम से ...

प्रिय फोटोग्राफर साथियों,

"आठ वर्षों का विश्वास, नवें वर्ष का संकल्प"

स्टूडियो न्यूज़ ने जून 2025 में अपने आठ सफल वर्ष पूरे कर लिए हैं और अब हम आपके प्यार व आशीर्वाद से नवें वर्ष में कदम रख रहे हैं। इस अवसर पर हम अपने सभी फोटोग्राफर साथियों, कंपनियों और शुभचिंतकों का हृदय से धन्यवाद करते हैं। आपका सहयोग ही हमारी ताकत है। हम वादा करते हैं कि आने वाले समय में भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतरते रहेंगे और फोटोग्राफी जगत की हर ज़रूरी बात आप तक पहुँचाते रहेंगे। आप यूँ ही अपना प्यार बनाए रखें।

फोटोग्राफी की दुनिया में बदलाव की हवा है साथ ही चुनौतियाँ और नए अवसर भी हैं। आज का युग परिवर्तन का युग है और फोटोग्राफी इंडस्ट्री इस बदलाव की धारा में सबसे आगे खड़ी है। जैसे-जैसे तकनीक ने तरक्की की, वैसे-वैसे तस्वीरों का मायना भी बदलता गया। एक दौर था जब कैमरे में फिल्म डालकर फोटो खींचना किसी जादू से कम नहीं था। फिर डिजिटल कैमरे आए, मोबाइल फोटोग्राफी ने एक नया अध्याय लिखा और आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के आने से तस्वीर खींचने का अंदाज़ ही नहीं, उसकी परिभाषा भी बदल रही है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हर फोटोग्राफर साथी इस तेज़ी से बदलती दुनिया के साथ कदम मिला पा रहा है? यह सवाल केवल तकनीकी नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक प्रश्न भी है। क्योंकि फोटोग्राफी शौक के लिए हो तो बात अलग है, लेकिन जिनका घर-परिवार इसी पेशे पर निर्भर करता है, उनके लिए यह बदलाव चुनौती से कम नहीं।

आज सोशल मीडिया का दौर है, हर किसी के हाथ में हाई क्वालिटी कैमरे वाला मोबाइल है। अब हर इंसान अपनी तस्वीरें खुद खींच रहा है, एडिट कर रहा है, शेयर कर रहा है। ऐसे में पेशेवर फोटोग्राफर कहाँ खड़े हैं? क्या उनका हुनर भीड़ में कहीं खो तो नहीं रहा?

लेकिन यहाँ रूकना नहीं है। यही तो वह पल है, जब बदलाव से डरने की बजाय उसे गले लगाने का हौसला चाहिए। आज जरूरत है कि हर फोटोग्राफर साथी समझे कि बदलाव को रोक पाना हमारे बस में नहीं, लेकिन उसके साथ खुद को ढालना हमारे हाथ में है। नई तकनीक सीखना, नए टूल्स अपनाना और अपनी कला को दुनिया के सामने नए अंदाज़ में पेश करना ही समय की माँग है।

जो फोटोग्राफर आज भी पुराने तरीके से काम कर रहे हैं, उन्हें समझना होगा कि अब सिर्फ अच्छी तस्वीरें खींच लेना काफी नहीं। आज क्लाइंट को क्विक सर्विस चाहिए, इनोवेटिव आइडियाज चाहिए, डिजिटल एल्बम चाहिए और सोशल मीडिया पर शेयर करने के लिए क्रीऐटिव कन्टेंट चाहिए। इसके लिए हमें भी खुद को अपग्रेड करना होगा।

बदलाव से घबराना नहीं, बल्कि उसे अपना साथी बना लेना ही जीत की पहली शर्त है। याद रखिए, बदलाव के साथ चलने वाला ही आगे बढ़ता है। जब मोबाइल कैमरे आए थे, तब भी कई फोटोग्राफरों ने सोचा था कि अब उनका काम छिन जाएगा। लेकिन जिन्होंने मोबाइल फोटोग्राफी को समझा, उस पर वर्कशॉप ली, लोगों को सही तरीके से फोटो खींचना सिखाया, उन्होंने न सिर्फ खुद को बचाया, बल्कि नए अवसर भी बनाए।

आज फिर वही मौका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ही देख लीजिए, आज AI फोटो एडिटिंग से लेकर बैकग्राउंड बदलने और इफेक्ट्स डालने तक का काम कर रहा है। लेकिन आखिर में इंसान का विजन ही तस्वीर को जिंदा बनाता है। अगर आप क्रिएटिव हैं, अगर आपकी नज़र में कहानी कहने की ताकत है, तो कोई तकनीक आपको रिप्लेस नहीं कर सकती।

फोटोग्राफी सिर्फ कैमरा पकड़ना नहीं है, यह एक सोच है, एक दृष्टि है, जो हर तस्वीर में झलकती है। इसी दृष्टि को नए जमाने की तकनीक के साथ जोड़कर ही हम आने वाले कल को सुरक्षित कर सकते हैं।

आइए, इस बदलाव को एक अवसर के रूप में देखें। एक दूसरे से सीखें, नए प्लेटफॉर्म पर जाएँ, वर्कशॉप्स करें, सेमिनार में हिस्सा लें, और अपने पेशे को फिर से नई ऊर्जा दें। तभी हम कह पाएँगे कि फोटोग्राफी एक कला ही नहीं, बल्कि बदलते वक्त में टिके रहने की प्रेरणा भी है। आशा है यह अंक न केवल आपके ज्ञान को समृद्ध करेगा, बल्कि आपके कार्य को एक नई दिशा भी देगा। आपके सुझावों और प्रतिक्रियाओं का हमें सदैव इंतज़ार रहेगा। आइए, साथ मिलकर फोटोग्राफी को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाएँ।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे, ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

बेंगलूरू में आयोजित **Photo Today** फोटोग्राफी एक्स्पो में लखनऊ में होने वाले चौथे संस्करण "इंडिया फोटो वीडियो एक्स्पो" का पोस्टर **PAUP** एवं **Buysell** के पदाधिकारियों द्वारा लॉन्च किया गया

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

FUJIFILM ने X-E5 कैमरा लॉन्च किया

फुजीफ़िल्म के मशहूर X-E सीरीज़ का नया अपग्रेडेड वर्जन आ गया है! X-E5 न सिर्फ़ अपने क्लासिक रेट्रो डिज़ाइन, बल्कि अब और भी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के साथ आया है। इसमें 40MP X-Trans CMOS 5 HR सेंसर, X-Processor 5, 8K/30fps वीडियो रिकॉर्डिंग है।

Sigma ने पेश किया नया 17-40mm F1.8 DC | Art लेंस - फोटोग्राफी और वीडियो के लिए प्रो-ग्रेड परफॉर्मेंस

Sigma Corporation ने अपना नया 17-40mm F1.8 DC | Art लेंस लॉन्च किया है। यह लेंस खासतौर पर APS-C मिररलेस कैमरों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें और भी वाइड एंगल व्यू मिलता है, टेलीफ़ोटो एंड पर ज़्यादा फ्लेक्सिबिलिटी और नया ऑप्टिकल डिज़ाइन जो देता है प्राइम लेंस जैसी ब्राइटनेस और इमेज क्वालिटी, साथ ही जूम लेंस की सुविधा।

Viltrox का AF 85mm F1.4 Pro FE : प्रो-लेवल क्वालिटी वाला किफायती फुल-फ्रेम पोर्ट्रेट लेंस

Viltrox ने अपने Pro Series का पहला फुल-फ्रेम ऑटोफोकस लेंस पेश किया है, AF 85mm F1.4 Pro FE, जो खासतौर पर Sony E-mount कैमरों के लिए बनाया गया है। यह लेंस पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, जिसमें मिलती है - शानदार इमेज क्वालिटी और कंट्रोल, हाई-प्रिसिशन ऑप्टिक्स और हर मौसम में इस्तेमाल लायक मजबूती।

Adobe ने बिना प्रचार के iPhone के लिए सुपर-पावर्ड कैमरा ऐप - Project Indigo लॉन्च किया

Adobe ने बिना ज़्यादा चर्चा के iPhone यूज़र्स के लिए एक नया और दमदार कैमरा ऐप पेश किया है, जिसका नाम है Project Indigo। Project Indigo का मकसद है स्मार्टफोन कैमरे से बेहतर इमेज क्वालिटी निकालना। यह ऐप पूरी तरह फ्री है, और फिलहाल इसे इस्तेमाल करने के लिए कोई लॉगिन भी ज़रूरी नहीं।

Laowa ने कुछ माउंट्स के लिए ऑटोफोकस के साथ अपने 12mm F2.8 Zero-D लेंस को अपडेट किया

Laowa ने मिररलेस सिस्टम के लिए नए Laowa 12mm f/2.8 Lite Zero-D FF के लॉन्च की घोषणा की है। जिसमें अधिक कॉम्पैक्ट और हल्के डिज़ाइन के साथ 122° अल्ट्रा वाइड एंगल ऑफ़ व्यू की सुविधा है। यह Sony E और Nikon Z कैमरों पर ऑटोफोकस का भी समर्थन करता है।

Leica का 100 साल का जश्न - स्पेशल एडिशन कैमरे और फोटोबुक लॉन्च

आज से ठीक 100 साल पहले, Leica ने दुनिया का पहला मास-प्रोड्यूस्ड 35mm कैमरा - Leica I पेश किया था। अपने औपचारिक 100वें साल पर कंपनी ने कई स्पेशल एडिशन कैमरे लॉन्च किए हैं, जिनमें शामिल हैं : Leica M11-D, Leica M11, D-Lux 8 और Sofort 2, इसके साथ ही Leica ने एक विशेष फोटोबुक भी जारी की है, जो Leica की 100 साल की फोटोग्राफ़ी विरासत को संजोती है।

Insta360 Flow 2 : दमदार फीचर्स और सही कीमत का नया स्मार्टफोन गिम्बल

Insta360 Flow 2 एक ऐसा स्मार्टफोन गिम्बल है जो कीमत और फीचर्स के बीच बेहतरीन संतुलन बनाता है। यह उन सभी क्रिएटर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपनी रोज़मर्रा की कहानियों को स्टेबल और प्रोफेशनल अंदाज़ में रिकॉर्ड करना चाहते हैं - फिर चाहे वो बच्चों के साथ खेलना हो, ग्रुप व्लॉग्स, वीडियो कॉल्स या किसी सोलो ट्रिप की यादें। इसमें इन-बिल्ट 3-एक्सिस स्टेबिलाइज़ेशन, NFC वन-टैप शूटिंग, मज़बूत सेल्फी स्टिक और ट्राइपॉड, Deep Track 4.0, जो मल्टी-पर्सन और जूम ट्रैकिंग दोनों करता है और ये सब कुछ चलता है 10 घंटे की लंबी बैटरी पर।

Tamron का नया वाइड-एंगल जूम लेंस अब ज़्यादा रेंज और और भी स्मूद ऑटोफोकस के साथ

Tamron ने अपना नया 16-30mm F2.8 Di III VXD G2 वाइड-एंगल फुल-फ्रेम जूम लेंस लॉन्च किया है, जो Sony E-mount और Nikon Z-mount कैमरों के लिए उपलब्ध होगा। यह लेंस Tamron की तेज़ अपर्चर जूम लेंस सीरीज़ का हिस्सा है, जिसमें पहले से ही 28-75mm और 70-180mm F2.8 G2 जैसे पॉपुलर लेंस शामिल हैं।

Rollei का पहला लेंस : Sony FE और Nikon Z के लिए AF 85mm F/1.8 लॉन्च किया

Rollei ने अपने समृद्ध इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए अपना पहला खुद का लेंस पेश किया है - AF 85mm F/1.8। इस लेंस के साथ Rollei ने अपनी नई VAF (Full-Frame Autofocus) सीरीज़ की शुरूआत की है, जो आधुनिक मिररलेस कैमरों के लिए खासतौर पर डिजाइन किए गए लेंसों की एक नई रेंज है। 85mm पोर्ट्रेट लेंस में Rollei की पारंपरिक गुणवत्ता और आधुनिक तकनीक का मेल है।

Nikon Z8 को मिला नया फर्मवेयर अपडेट, अब बना सकते हैं 180MP की तस्वीरें और मिलेगा बेहतर ऑटोफोकस

Nikon ने अपने Z8 कैमरा के लिए एक बड़ा फर्मवेयर अपडेट (Firmware 3.0) जारी किया है। इस अपडेट द्वारा यूज़र्स 180 मेगापिक्सल तक की अल्ट्रा हाई-रेज़ोल्यूशन तस्वीरें बना सकते हैं। इसके अलावा, ऑटोफोकस और N-Log के लिए View Assist भी पहले से बेहतर हो गया है।

Profoto ने अपने पोर्टेबल फ्लैश लाइनअप में दो नए मोनोलाइट्स जोड़े

लाइटिंग उपकरण बनाने वाली मशहूर कंपनी Profoto ने अपने नए पोर्टेबल फ्लैश यूनिट्स B20 और B30 लॉन्च किए हैं। Profoto का दावा है कि इन नए फ्लैश यूनिट्स में अब पहले से बेहतर परफॉर्मेंस, ज़्यादा मजबूती और नई सुविधाएं मिलती हैं, जो फोटोग्राफर्स के लिए लाइटिंग को और आसान और प्रोफेशनल बना देती हैं।

Sony a6700 को मिला नया अपडेट - अब फाइल ट्रांसफर और LUT सपोर्ट और भी बेहतर

Sony a6700 के लिए जारी किया गया नया फर्मवेयर अपडेट कुछ बेहद उपयोगी बदलाव लाया है, खासकर फाइल ट्रांसफर से जुड़े फीचर्स में। a6700 अब आपको फ़ोन या टैबलेट पर फ़ाइलें स्थानांतरित करते समय भी शूटिंग जारी रखने देगा, जो विशेष रूप से घटनाओं की तस्वीरें लेने या तेज़ गति वाले वातावरण में काम करते समय उपयोगी है। अगर ट्रांसफर बीच में रूक जाए, तो अब उसे वहीं से फिर से शुरू किया जा सकता है, दोबारा शुरूआत करने की जरूरत नहीं होगी। साथ ही, केवल वही डेटा ट्रांसफर होगा जो पहले नहीं भेजा गया था, यानी डुप्लिकेट फाइल्स से बचाव होगा।

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जुलाई 2025 से 5 अगस्त 2025

अगर आपकी फोटो अच्छी नहीं है तो समझ जाइए आप सब्जेक्ट के पास नहीं हैं। - राबर्ट कापा

SIGMA

ART
17-40mm F1.8
DC

कैमरा सेटिंग्स

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

(गतांक से आगे)

हेलो दोस्तों उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। पिछली बार हम लोगो ने कैमरे में बेसिक सेटिंग्स के बारे में समझने की कोशिश की थी। आइये इस बार हम फिर से उसी टॉपिक को आगे बढ़ाते हुए बाकी की सेटिंग्स को भी समझने की कोशिश करते हैं। पिछली बार हमने अपर्चर, शटर स्पीड, आईएसओ, कैमरा मोड, मीटरिंग मोड, फोकस मोड, फोकस एरिया, वाइट बैलेंस वग़ैरा के बारे में डिसकस किया था।

आइये आगे चलते हैं इसी टॉपिक को आगे बढ़ाते हैं। अगला टॉपिक है -

File Format - आपके कमरे में फोटो किस फॉर्मेट में स्टोर होगा उसके लिए 2 सेटिंग्स होती हैं - 1 RAW, 2 - JPEG।

रॉ में आपकी फोटोज को एडिट करने के बहुत ढेर सारे ऑप्शंस होते हैं। रॉ फॉर्मेट में काफी ढेर सारा डाटा स्टोर होता है जिससे फोटोज को बाद में एडिट करने के ऑप्शंस बढ़ जाते हैं। प्रोफेशनल और कमर्शियल फोटोग्राफर्स ज्यादातर अपनी फोटोज रॉ में ही खींचते हैं। रॉ में पोस्ट प्रोसेसिंग में आप अपनी फोटोज को काफी डिटेल्स में एडिट कर सकते हैं। रॉ की फोटोज का साइज़ काफी ज्यादा होता है। 25MB से 50MB के बीच में। वहीं दूसरी तरफ JPEG फॉर्मेट में उतनी डिटेल्स स्टोर नहीं होती जितनी रॉ में हो जाती हैं। JPEG में आप क्विक एडिट करके अपनी फोटोज को शेयर कर सकते हैं। JPEG का साइज़ काफी कम होता है जिसके कारण उसको ट्रांसफर करना आसान हो जाता है। सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला फॉर्मेट JPEG है।

Drive Mode - ड्राइव मोड में दो तरह के मोड आते हैं। - **सिंगल शूटिंग मोड** और **कंटीन्यूअस शूटिंग मोड**। सिंगल शूटिंग मोड को आप स्टिल फोटोज को एडिट करने के लिए इस्तेमाल करते हैं और कंटीन्यूअस मोड को आप मूविंग सब्जेक्ट शूट करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। सिंगल शूटिंग मोड में कैमरे का फोकस पॉइंट आपके सब्जेक्ट के सिंगल पॉइंट पर टिक के शूट करता है। कंटीन्यूअस शूटिंग मोड में कैमरे का फोकस पॉइंट आपके मूविंग सब्जेक्ट को फॉलो करते हुए शूट करता है।

Long Exposure Noise Reduction - इस सेटिंग्स को अपनी जरूरत के हिसाब से ऑन ऑफ कर सकते हैं। ये सेटिंग्स आप तब यूज़ करते हैं जब आपको लॉन्ग एक्सपोज़र फोटोज शूट करनी होती है। लॉन्ग एक्सपोज़र फोटोज तब शूट होती हैं जब आप लेट नाइट स्टार ट्रेल्स शूट कर रहे हो या फिर या आप नाइट में ही ट्रैफिक में कार की लाइट्स को शूट कर रहे हों। नहीं तो इस सेटिंग्स को आप ऑफ कर के रख सकते हैं। ये सेटिंग्स लॉन्ग एक्सपोज़र में नॉइज़ को कम करने के काम आती है। रात में शूट करने पर फोटोज में नॉइज़ आना स्वाभाविक है और अगर आप लॉन्ग एक्सपोज़र शूट कर रहे हों तो स्पेशली नॉइज़ वाली दिक्कत आती है। इस सेटिंग से नॉइज़ काफी हद तक रिड्यूज हो जाती है।

High ISO Noise Reduction - जब कभी आप रात के अँधेरे में या फिर बहुत ही लो लाइट में शूट कर रहे होते हैं तो आपको कैमरे की लाइट बढ़ाने के लिए आईएसओ को बढ़ाना पड़ता है। आईएसओ बढ़ाने से नॉइज़ बढ़ती है। नॉइज़ बढ़ने से फोटो की क्वालिटी रिड्यूज होती है। इस सेटिंग्स को ऑन करके आप आईएसओ की वजह से जो नॉइज़ प्रोड्यूज होती है उसे काफी कम कर सकते हैं।

Color Space - ये सेटिंग्स हमेशा sRGB में ही होनी चाहिए।

Image Stabilisation - इसका मतलब होता है कि आपकी इमेज फोटोशूट के दौरान कितनी स्टेबल रहती है। इस मोड को आप ऑन ऑफ करके अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं। जब कभी आप लो शटर स्पीड का इस्तेमाल करते हैं तो आपके कैमरे के शेक होने के चांस बहुत बढ़ जाते हैं। लो शटर स्पीड में शटर आपका बहुत स्लो स्पीड से चलता है और शटर के क्लोज होते वक़्त कैमरे में वाइब्रेशन प्रोड्यूस होती है जिससे फोटोज के ब्लर्र होने के चान्सेस बढ़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में आप Tripod का इस्तेमाल कर सकते हैं। पर Tripod लगे होने के बावजूद भी कैमरा अपनी ही शटर के बंद और खुलने से शेक करता है जिससे फोटोज के हिलने के चान्सेस बढ़ जाते हैं। ऐसे में इमेज स्टेबिलाइजेशन का ऑन होना बहुत जरूरी होता है।

तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगों को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा, अगले अंक में हम इसी टॉपिक को और डिटेल में समझने की कोशिश करेंगे, अपना बहुत ख्याल रखें। बाए।

Single Shooting Mode vs Continuous Shooting Mode

सोनी द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

लेंस वर्कशॉप
(कानपुर - 6 जून 2025)

लेंस वर्कशॉप
(लखनऊ - 6 जून 2025)

फोटोग्राफी वर्कशॉप
(लखनऊ - 19 जून 2025)

फोटोग्राफी वर्कशॉप
(कानपुर - 20 जून 2025)

फोटोग्राफी वर्कशॉप
(वाराणसी - 21 जून 2025)

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जुलाई 2025 से 5 अगस्त 2025

फोटोग्राफी समय का ऐसा इतिहास है जिसे दोबारा नहीं लिखा जा सकता - रघु राय

महान विभूतियाँ

अर्नोल्ड न्यूमैन

(3 मार्च 1918 - 6 जून 2006)

अर्नोल्ड न्यूमैन

अर्नोल्ड ऐब्नर न्यूमैन एक अमेरिकी फोटोग्राफर थे, जो कलाकारों और राजनेताओं की "एनवायर्नमेंटल पोर्ट्रेट" फोटोग्राफी के लिए मशहूर थे। वे अपने सोच-समझकर बनाई गई अमूर्त (abstract) स्टिल लाइफ चित्रों के लिए भी जाने जाते थे। साल 2006 में उन्हें इंटरनेशनल फ़ोटोग्राफ़ी हॉल ऑफ़ फ़ेम एंड म्यूज़ियम में शामिल किया गया था।

न्यूमैन का जन्म 3 मार्च 1918 को मैनहैटन में एक यहूदी परिवार में हुआ था। उन्होंने अपना बचपन अटलांटिक सिटी, न्यू जर्सी में बिताया और बाद में मियामी बीच, फ्लोरिडा चले गए। उनके माता-पिता अटलांटिक सिटी और मियामी बीच दोनों में होटल के मालिक थे और वे सर्दियाँ फ्लोरिडा में और गर्मियाँ न्यू जर्सी में बिताते थे। उन्होंने अटलांटिक सिटी हाई स्कूल में पढ़ाई की और मियामी बीच सीनियर हाई स्कूल से स्नातक किया। 1936 में, उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी में पेंटिंग और ड्राइंग की पढ़ाई शुरू की। लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे दो साल बाद पढ़ाई जारी नहीं रख सके। 1938 में वे फिलाडेल्फिया चले गए और एक स्टूडियो में काम करने लगे, जहाँ वे 49 सेंट में पोर्ट्रेट बनाते थे।

1942 में न्यूमैन वेस्ट पाम बीच, फ्लोरिडा में एक पोर्ट्रेट स्टूडियो संभालने के लिए फिर से फ्लोरिडा लौटे। तीन साल बाद, उन्होंने मियामी बीच में अपना खुद का स्टूडियो शुरू किया। 1946 में न्यूमैन न्यूयॉर्क सिटी चले गए, जहाँ उन्होंने "अर्नोल्ड न्यूमैन स्टूडियोज़" की स्थापना की और फॉर्च्यून, लाइफ़ और न्यूज़वीक जैसी मशहूर मैगज़ीनों के लिए फ्रीलांस फ़ोटोग्राफ़र के तौर पर काम करने लगे। हालाँकि वे कभी आधिकारिक रूप से सदस्य नहीं बने, लेकिन 1940 के दशक में वे अक्सर फ़ोटो लीग में जाया करते थे।

Igor Stravinsky

न्यूमैन ने कई मशहूर हस्तियों की तस्वीरें खींचीं, जिनमें मार्लीन डिट्रिच, जॉन एफ. कैनेडी, हैरी एस. ट्रूमैन, पीट मोंड्रियन, पाब्लो पिकासो, आर्थर मिलर, मर्लिन मुनरो, रोनाल्ड रीगन, बिल क्लिंटन, मिकी मैन्टल और ऑड्री हेपबर्न शामिल हैं। हालाँकि, न्यूमैन का मानना था कि चाहे फ़ोटो में दिखाया गया व्यक्ति मशहूर हो या ना हो, या भले ही लोग उसे भूल चुके हों, तस्वीर ऐसी होनी चाहिए जो दर्शक को उत्साहित और आकर्षित करे।

न्यूमैन को अक्सर उस फोटोग्राफ़र के रूप में जाना जाता है जिसने "एनवायर्नमेंटल पोर्ट्रेट" शैली को न सिर्फ परिभाषित किया, बल्कि लगातार इस्तेमाल भी किया। इस शैली में फोटोग्राफ़र किसी व्यक्ति के जीवन और कार्य को दर्शाने के लिए सावधानी से चुने गए फ्रेम, रोशनी और बैकग्राउंड का उपयोग करता है। इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण है इगोर स्ट्राविंस्की का पोर्ट्रेट, जिसमें उनके ग्रैंड पियानो का ढक्कन एक विशाल संगीतमय नोट जैसा दिखता है, जो उनके संगीत की रचना-शैली का प्रतीक बनता है। न्यूमैन आमतौर पर अपने विषयों को उनके परिचित और निजी माहौल में ही फोटो खींचते थे, जहाँ उनके पेशे और व्यक्तित्व से जुड़े प्रतीकात्मक विजुअल एलिमेंट्स मौजूद होते थे। जैसेः एक संगीतकार को उनके रिकॉर्डिंग स्टूडियो या मंच पर, किसी राजनेता को उनके कार्यालय या संसद भवन जैसे स्थान पर। वे बड़े फॉर्मेट वाले कैमरे और ट्राइपॉड का उपयोग करते थे ताकि हर छोटे-बड़े विवरण को सटीकता से कैद कर सकें।

न्यूमैन ने अमेरिकन फोटो पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "मैं बस ऐसा

Bill Clinton

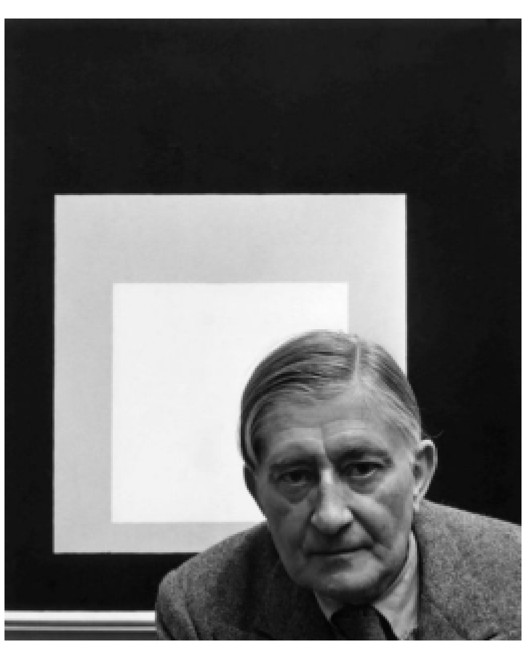

Joseph Albers

John F. Kennedy

Salvador Dali

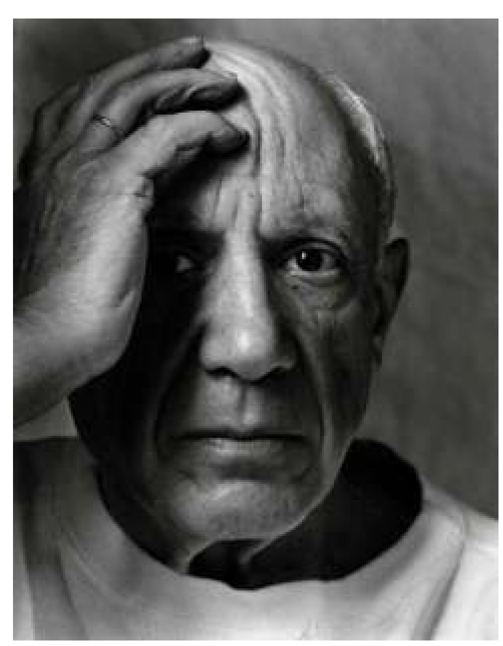

Pablo Picasso

अपना कैमरा तब तक पैक न करें जब तक आप लोकेशन न छोड़ दें - जो मैक्लिनली

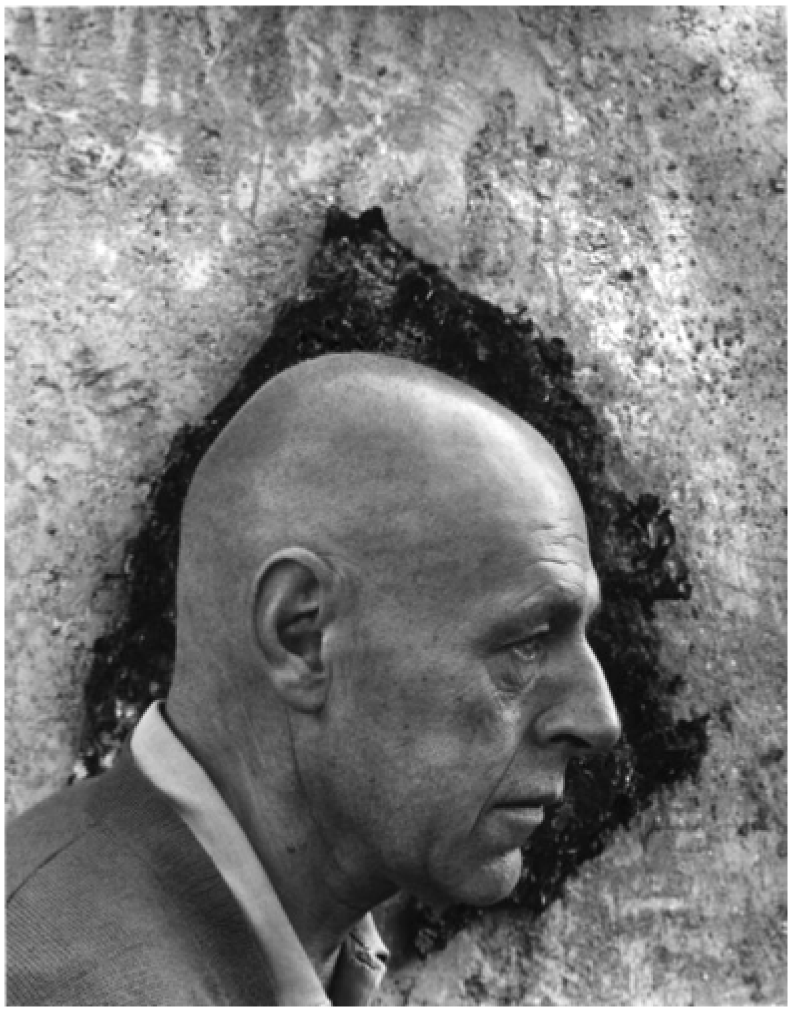

Jean Dubuffet

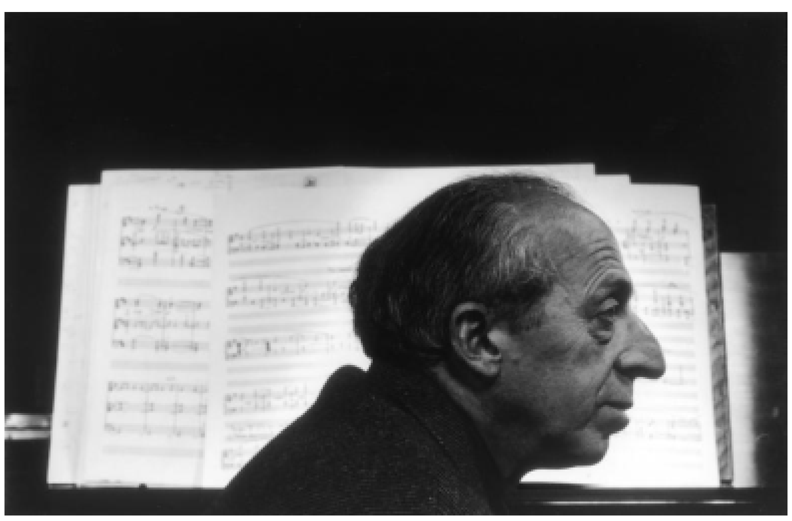

Aaron Copland

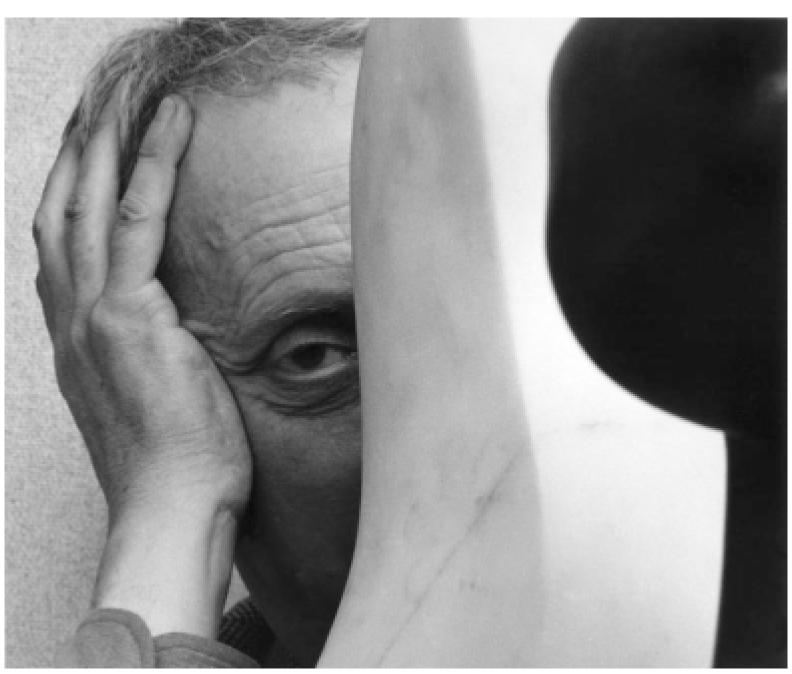

Jean Arp

Leonard Bernstein

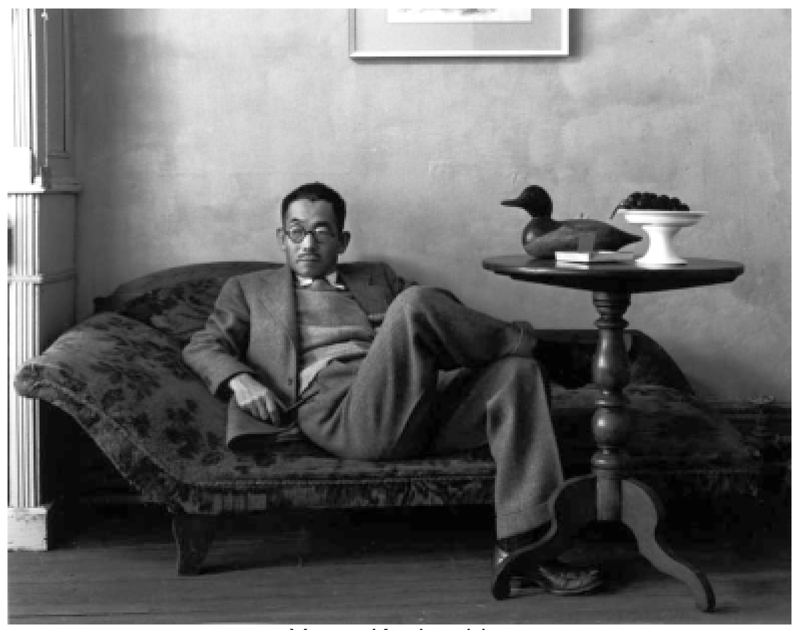

Yasuo Kuniyoshi

With Raphael Soyer

फोटो नहीं बनाना चाहता था जिसमें पीछे कुछ चीज़ें दिख रही हों"। "आसपास का माहौल तस्वीर की रचना और उस व्यक्ति को समझने में मदद करता था। चाहे सामने वाला कोई भी हो, तस्वीर को दिलचस्प होना ही चाहिए। सिर्फ किसी मशहूर व्यक्ति का पोर्ट्रेट लेना अपने आप में कोई मायने नहीं रखता।" यह विचार उनके पूरे करियर की सोच को दर्शाता है कि हर तस्वीर में एक कहानी, एक समझ और एक भावना होनी चाहिए, न कि सिर्फ चेहरा।

न्यूमैन की सबसे प्रसिद्ध तस्वीरें ब्लैक एंड व्हाइट में थीं, हालांकि उन्होंने रंगीन फोटोग्राफी भी की थी। उनकी 1946 में खींची गई ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर, जिसमें इगोर स्ट्राविंस्की एक ग्रैंड पियानो के पास बैठे हैं, उनकी पहचान बन गई, जबकि यह वही तस्वीर थी जिसे हार्पर बाज़ार मैगज़ीन ने असाइनमेंट देने के बाद भी अस्वीकार कर दिया था। न्यूमैन उन कुछ गिने-चुने फ़ोटोग्राफ़रों में से थे जिन्हें हेनरी कार्टियर-ब्रेसन जैसे कैमरा से दूर भागने वाले महान फोटोग्राफ़र का पोर्ट्रेट लेने की इजाज़त मिली थी। यह बात उनके काम में मौजूद भरोसे, संवेदना और गहराई को दर्शाती है।

न्यूमैन की सबसे चर्चित रंगीन तस्वीरों में से एक है 1963 में ली गई एक रहस्यमयी पोर्ट्रेट, जिसमें पूर्व नाज़ी उद्योगपति और हथियार मंत्री अल्फ्रीड क्रुप को उनकी ही एक फैक्ट्री में दिखाया गया है। न्यूमैन ने माना कि इस तस्वीर में क्रुप को जिस तरह दिखाया गया है, उसमें उनकी निजी भावनाओं का प्रभाव भी शामिल था। इसके अलावा, न्यूमैन ने कूपर यूनियन में कई वर्षों तक फोटोग्राफी सिखाई, जिससे उन्होंने नई पीढ़ियों को इस कला का गहरा अनुभव और समझ दी।

19 दिसंबर 2005 को, न्यूमैन ने अपना अंतिम औपचारिक पोर्ट्रेट लिया, यह तस्वीर उन्होंने निर्देशक जेम्स बरोज़ की खींची, जो NBC स्टूडियो में *Saturday Night Live* के मंच पर ली गई थी। न्यूमैन का एक बहुत प्रसिद्ध कथन है: "आप तस्वीरें कैमरे से नहीं खींचते। आप तस्वीरें अपने दिमाग और दिल से खींचते हैं।" यह कथन उनके पूरे फोटोग्राफ़ी दर्शन को दर्शाता है कि तकनीक से ज़्यादा ज़रूरी है दृष्टिकोण और भावना।

न्यूमैन ने न्यू यॉर्कर, वैनिटी फेयर, लाइफ, लुक, हॉलिडे, हार्पर बाजार, एस्क्वायर, टाउन एंड कंट्री, साइंटिफिक अमेरिकन, न्यूयॉर्क टाइम्स मैगज़ीन और कई अन्य प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया। न्यूमैन को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ मीडिया फ़ोटोग्राफ़र्स, द लूसी अवार्ड, द रॉयल फ़ोटोग्राफ़िक सोसाइटी सेंटेनरी अवार्ड और साथ ही फ्रांस के "कमांडर ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ आर्ट्स एंड लेटर्स" सहित कई पुरस्कार मिले। 2005 में, फोटो डिस्ट्रिक्ट न्यूज़ ने न्यूमैन को "दुनिया के 25 सबसे प्रभावशाली जीवित फोटोग्राफरों" में शामिल किया। 2006 में उन्हें नेशनल आर्ट्स क्लब द्वारा फ़ोटोग्राफ़ी के लिए गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। उन्हें नौ मानद डॉक्टरेट की उपाधियाँ मिली हैं और उन्होंने पूरे देश और दुनिया में व्याख्यान दिए हैं और कार्यशालाएँ आयोजित की हैं।

न्यूमैन न्यूयॉर्क सिटी के माउंट सीनाई मेडिकल सेंटर में स्ट्रोक से उबरने की कोशिश कर रहे थे, जब उनका 6 जून 2006 को निधन हो गया।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

तस्वीरें कैसे बातें करती हैं? जानिए फोटोग्राफ़ी की भाषा

फोटोग्राफ़ी सिर्फ एक बटन दबाने का नाम नहीं है। यह देखने की सोच और दृश्य के ज़रिए खुद को अभिव्यक्त करने की कला है। यह लेख आपको आमंत्रित करता है कि आप फोटोग्राफ़ी को एक ऐसी भाषा के रूप में समझें जो रोशनी, परछाईं और भावनाओं से बनी होती है। चाहे आप फोटोग्राफ़ी की शुरूआत कर रहे हों या उसमें गहराई तलाश रहे हों - आइए सीखें तस्वीरें बनाना, जो बिना शब्दों के भी बहुत कुछ कह जाती हैं।

कैमरा सिर्फ एक उपकरण नहीं, आपकी नजर का जरिया है

यह लेख उन नए फ़ोटोग्राफ़रों के लिए है जो अभी अपनी यात्रा की शुरूआत कर रहे हैं। यह अनुभवी पेशेवरों के लिए नहीं है, जिन्होंने सालों तक अपनी तकनीक को निखारा है। अगर आप फ़ोटोग्राफ़ी में नए हैं या अपनी तस्वीरों में ज़्यादा गहराई और मतलब तलाश रहे हैं, तो यह लेख खासतौर पर आपके लिए है।

इस लेख का मक़सद आपको फ़ोटोग्राफ़ी को सिर्फ़ "अच्छी तस्वीरें" बनाने का तरीका नहीं, बल्कि एक भाषा के रूप में देखने में मदद करना है - एक ऐसी भाषा जो कहानियाँ सुनाती है, भावनाओं को जगाती है और दिलों पर गहरी छाप छोड़ती है। जैसे किसी भी भाषा को सीखने में समय, इरादा और थोड़ी-सी आत्मा लगती है, वैसे ही फ़ोटोग्राफ़ी में भी यही सब ज़रूरी है।

मैं मानता हूँ कि मैं कोई प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़र नहीं हूँ। मैं एक जुनूनी शौकिया फोटोग्राफर हूँ, जिसे ऐब्स्ट्रैक्ट, पोर्ट्रेट, स्ट्रीट फैशन, फूड और लैंडस्केप जैसी चीज़ें कैमरे में क़ैद करना बेहद पसंद है। ये विचार पूरी तरह निजी हैं, जो मैंने समय के साथ उन प्रेरणादायक फ़ोटोग्राफ़रों से बातचीत करके सीखे हैं, जिनसे मेरा सामना फोटो इमेजिंग इंडस्ट्री में काम करते हुए हुआ।

तो इसे एक दोस्ताना विचार के रूप में लीजिए, थोड़ा अपना, थोड़ा दूसरों से सीखा हुआ, इस उम्मीद के साथ कि यह आपकी फोटोग्राफी की राह में मदद करेगा।

फ्रेम से आगे देखना

हम अक्सर कहते हैं, **"एक तस्वीर हज़ार शब्दों के बराबर होती है"** - लेकिन ऐसा क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि फोटोग्राफ़ी एक ऐसी भाषा है जिसे किसी अनुवाद की ज़रूरत नहीं होती। यह एक सार्वभौमिक माध्यम है जो सरहदों, संस्कृतियों और पीढ़ियों को पार करके सीधे हमारे दिल से जुड़ती है। चाहे वह किसी बच्चे की हँसी हो या किसी शांत लैंडस्केप की झलक - तस्वीरें तुरंत और ईमानदारी से हमसे संवाद करती हैं। शब्दों के विपरीत, तस्वीरें हमें "दिखाती" हैं, "बताती" नहीं, यही वजह है कि फोटोग्राफ़ी इंसानी अभिव्यक्ति और संवाद का सबसे सशक्त, सीधा और सच्चा ज़रिया मानी जाती है।

शानदार तस्वीरों को देखने वाली भाषा

फोटोग्राफ़ी को ऐसे समझिए जैसे किसी भाषा की व्याकरण होती है - जैसे लेखन में शब्द और वाक्य होते हैं, वैसे ही तस्वीरों में भी कुछ बुनियादी तत्व होते हैं। यहाँ शब्दों की जगह आपके पास रोशनी और परछाईं, कंपोज़ीशन और रंग, एंगल और टेक्सचर (बनावट) होते हैं। ये सभी तत्व मिलकर किसी तस्वीर का मतलब बनाते हैं। चेहरे पर पड़ती रोशनी की एक किरण, या बरसात की सड़क पर परछाइयों का खेल, ये केवल दृश्य नहीं, बल्कि आपकी तस्वीर के क्रिया और विशेषण हैं।

एक आम तस्वीर और एक ऐसी फ़ोटोग्राफ़ जो दिल को छू जाए - इनके बीच फर्क कैमरा या किस्मत का नहीं होता। असली फर्क होता है - इरादे का। फर्क इस बात का होता है कि आप उन दृश्य तत्वों को किस सोच के साथ सजाते हैं, चाहे वह कोई एहसास हो या एक खास माहौल। जब आप इस पर ध्यान देना शुरू करते हैं, तो आप सिर्फ़ तस्वीरें खींच नहीं रहे होते - आप उन्हें बना रहे होते हैं।

कहानी हर फ्रेम में - एक तस्वीर, एक कहानी

फोटोग्राफ़ी के अलग-अलग रूप आपको अलग-अलग तरह की कहानियाँ कहने का ज़रिया देते हैं। यह दृश्य भाषा कैसे जीवंत होती है, आइए कुछ प्रमुख विधाओं के ज़रिए समझते हैं:

- **फ़ोटोजर्नलिज़्म** कच्ची और तात्कालिक होती है। यह उन पलों को क़ैद करती है जो सच में मायने रखते हैं - संघर्ष, जश्न, विरोध और हौसला। ये तस्वीरें न तो सजाई-सँवरी होती हैं और न ही पोज़ दी गई होती हैं। ये असली ज़िंदगी की झलकियाँ होती हैं - ईमानदार और तुरंत असर डालने वाली, जो अक्सर वो कह जाती हैं जो शब्द नहीं कह पाते।
- **पोर्ट्रेट (व्यक्तिगत चित्र)** सिर्फ़ चेहरे नहीं दिखाता, वह उससे कहीं ज़्यादा बयां करता है। एक अच्छा पोर्ट्रेट एक ही फ्रेम में भावना, माहौल और कहानी को पकड़ लेता है। इसमें भरोसा, सही समय और शांत निरीक्षण की ज़रूरत होती है। किसी की एक झलक, गाल पर हल्की रोशनी, या सिर का थोड़ा सा झुकाव - ये सब उस व्यक्ति की भीतरी दुनिया के बारे में बहुत कुछ कह सकते हैं।
- **लैंडस्केप फ़ोटोग्राफ़ी** किसी जगह और समय की कहानी कहती है। पहाड़ों की शांति, तूफ़ान का नाटकीय रूप, जंगल की शांत बनावट - ये सब केवल सुंदर दृश्य नहीं होते। ये अकेलापन, आश्चर्य या फिर यादों की भावना जगाते हैं। हर एक तत्व, चाहे वो रोशनी हो, आकाश हो या धरती की बनावट, आपकी दृश्य भाषा में एक शब्द की तरह काम करता है।
- **वेडिंग फ़ोटोग्राफ़ी** सबसे समृद्ध कहानी कहने वाला रूप है। एक ही दिन जो भावनाओं, परंपराओं, हलचल और प्यार से भरा होता है। लेकिन बेहतरीन वेडिंग फ़ोटोग्राफ़ी केवल दिखावे तक सीमित नहीं रहती। यह भावनाओं से भरे हाथों को, रस्मों के बीच की हँसी को, और उन छोटे-छोटे अनमोल पलों को भी क़ैद करती है जो दोबारा नहीं दोहराए जा सकते। जब ये सभी फ्रेम एक साथ आते हैं, तो वो उस जोड़े के सबसे खास दिन की एक दृश्य कहानी बनाते हैं।

हर शैली के साथ कहानी बदलती है, लेकिन फोटोग्राफ़ी की भाषा हमेशा प्रभावशाली और सार्वभौमिक बनी रहती है।

कैमरों की भीड़ में आप कैसे अलग दिखेंगे?

आज जब हर जेब में स्मार्टफोन है, तो लगभग हर कोई फोटोग्राफ़र बन गया है। यह एक शानदार बदलाव है, क्योंकि इससे फोटोग्राफ़ी हर किसी के लिए सुलभ हो गई है। लेकिन इसका मतलब यह भी है कि अब सिर्फ़ अच्छा कैमरा होना काफ़ी नहीं है - कुछ अलग दिखाने के लिए आपको दृष्टि चाहिए, इरादा चाहिए, और सबसे ज़रूरी - यह समझ होनी चाहिए कि आप वह शटर क्यों दबा रहे हैं।

इस दृश्य भाषा में महारत हासिल करने में समय लगता है। इसे आप रातोंरात नहीं सीख सकते। इसके लिए ज़रूरी है कि आप नियमित रूप से शूट करें, अपने काम की आलोचनात्मक नज़र से समीक्षा करें, महान फ़ोटोग्राफ़रों का अध्ययन करें, और बार-बार खुद से पूछें : **"मैं इस तस्वीर के ज़रिए क्या कहना चाहता हूँ?"**

तस्वीरें दुनिया को भी दिखाती हैं और आपको भी

एक शानदार तस्वीर एक साथ दो काम करती है - वह दर्शकों को दुनिया दिखाती है (जैसे एक खिड़की), और साथ ही फ़ोटोग्राफ़र के भीतर भी झाँकने का मौका देती है (जैसे एक आइना)। चाहे वह किसी शांत लैंडस्केप की तस्वीर हो या किसी व्यस्त सड़क का दृश्य, आप उसे जिस नज़र से देखते हैं, फ्रेम करते हैं और क़ैद करते हैं, वह बहुत कुछ कहता है आपके बारे में।

इसीलिए इरादा रखना ज़रूरी है। आपकी तस्वीरें आपकी सोच, आपकी संवेदनशीलता और आपके नज़रिए को दर्शाती हैं। उसे अपनाइए, उसे तराशिए। यहीं से आपकी स्टाइल बनती है - वह स्टाइल जो किसी एडिटिंग प्रीसेट से नहीं, बल्कि आपकी देखने और कहने की एक निरंतर समझ से पैदा होती है।

आज जो तस्वीर आप खींचते हैं, वह कल क्यों मायने रखेगी

फोटोग्राफ़ी इतिहास को दर्ज करने में भी एक बहुत अहम भूमिका निभाती है - व्यक्तिगत और सामाजिक, दोनों स्तरों पर। ज़रा अतीत की कुछ प्रतिष्ठित तस्वीरों को याद कीजिए - वे सिर्फ़ तस्वीरें नहीं हैं, वे यादें हैं, सबूत हैं, भावनाएँ हैं और प्रतीक भी, जो एक ही फ्रेम में समाए हुए हैं।

आपका व्यक्तिगत काम - चाहे वो जन्मदिन की तस्वीरें हों, ट्रैवल की झलकियाँ हों या स्ट्रीट पोर्ट्रेट्स - ये सब मिलकर एक दृश्य विरासत (visual legacy) बनाते हैं। दशकों बाद, यही तस्वीरें आपको और दूसरों को याद दिलाएँगी कि उस वक्त सब कुछ कैसा महसूस होता था।

और जैसे-जैसे फोटोग्राफ़ी बदलती जाएगी - AI आएगा, नई तकनीकें आएँगी - इसका दिल वही रहेगा : **कहानी कहना...... तस्वीरों के ज़रिए।**

अंतिम विचारः अपने कैमरे को बोलने दीजिए

अगर आप फोटोग्राफ़ी की शुरूआत कर रहे हैं, तो मेरी एक सीधी-सी सलाह है : **अपने कैमरे को सिर्फ़ एक गैजेट नहीं, अपनी आवाज़ मानिए।** उससे बातें कीजिए - कभी धीरे से, कभी ज़ोर से, कभी गाकर .... लेकिन हमेशा कुछ ऐसा कहिए जो आपके दिल से निकला हो।

आपकी फोटोग्राफ़ी की यात्रा कहीं ज़्यादा अर्थपूर्ण बन जाएगी, जब आप इसे एक भाषा की तरह अपनाएंगे - जिसे आप धीरे-धीरे सीख रहे हैं, और जिसमें आप खुद को बेहतर ढंग से व्यक्त कर पाएंगे। यह भाषा आपको दुनिया से जोड़ती है, आपको देखने, महसूस करने और सोचने का नया ज़रिया देती है। क्योंकि जब फोटोग्राफ़ी को दिल से किया जाए, तो वह सिर्फ़ एक तस्वीर नहीं रहती - **वह एक कहानी बन जाती है..... जिसे पूरी दुनिया सुनना चाहती है।**

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

LUTs : फोटोग्राफी और वीडियो एडिटिंग की दुनिया में रंगों का जादू

आज के डिजिटल युग में फोटो और वीडियो एडिटिंग पहले से कहीं ज्यादा आसान और रचनात्मक हो गई है। इसी रचनात्मकता का एक बड़ा हिस्सा है LUTs, जिसे Look-Up Table कहा जाता है। LUTs असल में एडिटिंग का ऐसा टूल है, जिससे कुछ ही मिनटों में किसी फोटो या वीडियो का पूरा लुक बदल दिया जाता है।

जब हम किसी कैमरे से फोटो या वीडियो शूट करते हैं तो वो रॉ (RAW) या लोग (LOG) प्रोफाइल में होते हैं, जिसमें रंग फीके और सपाट नजर आते हैं। LUTs ऐसे में एक नक्शे की तरह काम करता है जो हर रंग को नया रूप देता है। इसमें पहले से तय किया गया होता है कि किस रंग को कौन से रंग में बदलना है। जैसे ही आप LUT

अप्लाई करते हैं, आपकी इमेज या वीडियो तुरंत ही नया मूड और फील लेने लगती है।

आज LUTs का सबसे ज्यादा इस्तेमाल फिल्म मेकिंग, म्यूजिक वीडियो, यूट्यूब कंटेंट और प्रोफेशनल फोटोग्राफी में होता है। LUTs दो तरह के होते हैं - पहला टेक्निकल LUTs और दूसरा क्रिएटिव LUTs। टेक्निकल LUTs खासतौर पर LOG फुटेज को नॉर्मल कलर प्रोफाइल (जैसे Rec.709) में बदलने के लिए होते हैं। वहीं क्रिएटिव LUTs किसी भी शूट को सिनेमा जैसा लुक देते हैं, जैसे वॉर्म टोन, विंटेज इफेक्ट या ब्लूइश फिल्म लुक।

बहुत से प्रोफेशनल फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर अपने सिग्नेचर LUTs भी बनाते हैं ताकि उनका हर प्रोजेक्ट एक जैसे

टोन में दिखे। कुछ कैमरे भी अब रिकॉर्डिंग के दौरान LUT अप्लाई करने की सुविधा देते हैं ताकि शॉट लेते वक्त ही फाइनल लुक देखा जा सके।

कुल मिलाकर LUTs ने एडिटिंग को न सिर्फ तेज बनाया है बल्कि आम फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर को भी बड़ी-बड़ी फिल्मों जैसा प्रोफेशनल आउटपुट देने का मौका दिया है। अगर आप भी अपनी फोटो या वीडियो में जल्दी और असरदार बदलाव चाहते हैं तो LUTs जरूर आज़माएं। इसके लिए कई फ्री और पेड LUTs ऑनलाइन मिल जाते हैं। आप चाहें तो अपनी जरूरत के हिसाब से खुद भी LUT बना सकते हैं और अपनी क्रिएटिविटी को नया आयाम दे सकते हैं।

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जुलाई 2025 से 5 अगस्त 2025

फोटोग्राफी ही एक मात्र भाषा है जिसे दुनिया में किसी भी स्थान पर समझा जा सकता है - ब्रूनो बारवे

फोटो टुडे मेगा फोटोग्राफी एक्स्पो, बेंगलुरु (26-28 जून 2025)

कैनन द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

प्री-वेडिंग वर्कशॉप, लखनऊ (08 जून 2025)

ब्राइडल सिनेमैटोग्राफी वर्कशॉप, झांसी (17 जून 2025)

ब्राइडल सिनेमैटोग्राफी वर्कशॉप, गोण्डा (20 जून 2025)

वेडिंग सिनेमैटोग्राफी वर्कशॉप, फतेहपुर (24 जून 2025)

वेडिंग सिनेमैटोग्राफी वर्कशॉप, हरदोई (25 जून 2025)

ब्राइडल सिनेमैटोग्राफी वर्कशॉप, अम्बेडकरनगर (29 जून 2025)

निकॉन द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

न्यू बॉर्न फोटोग्राफी वर्कशॉप, (लखनऊ - 17 जून 2025)

सिनेमैटिक क्लासरूम वर्कशॉप (मुगलसराय - 24 जून 2025)

फोटो वॉक (वाराणसी - 25 जून 2025)

सिनेमैटोग्राफी आउटडोर वर्कशॉप (गोरखपुर - 26 जून 2025)

मिररलेस कैमरा फोटोग्राफी वर्कशॉप (महाराजगंज - 27 जून 2025)

फूजीफिल्म द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, अमेठी (27 जून 2025)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, फर्रूखाबाद (02 जुलाई 2025)

पैनासॉनिक द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

फोटोग्राफी वर्कशॉप, बांदा (23 जून 2025)

फोटोग्राफी वर्कशॉप, ऊँचाहार, रायबरेली (25 जून 2025)

फोटोग्राफी वर्कशॉप, खलीलाबाद (27 जून 2025)

अन्य वर्कशाप एवं कार्यक्रम

फोटोग्राफर एसोसिएशन ऑफ जमशेदपुर में दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन (20 जून 2025)

मऊ में मऊ फोटोग्राफर एसोसिएशन के पदाधिकारियों का चुनाव (29 जून 2025)

स्टूडियो न्यूज

फोटोग्राफर साथियो, आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, **mailtostudionews@gmail.com** पर मेल करें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जुलाई 2025 से 5 अगस्त 2025

फोटोग्राफर की नजर से यात्रा वृतान्त

हरियाली, धाम और आत्मिक ऊर्जा - एक यात्रा अनुभव

संदीप रस्तोगी
वरिष्ठ फोटोजर्नलिस्ट

काम के साथ अपने व परिवार के वक्त निकालना बहुत जरूरी है। दरअसल, होता क्या है कि कई बार मन सुकून की तलाश में होता है तो दिल करता है चलो कहीं घूमकर आते हैं। इस बार काम से कुछ समय के लिए ब्रेक लेकर कैंची धाम, नैनीताल और जागेश्वर धाम की यात्रा का परम सौभाग्य मिला। सभी को मालूम है कि कैंची धाम बाबा नीम करौली महाराज के लिए प्रसिद्ध है, जहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हमने भी उस दिव्य और अलौकिक शक्ति को महसूस किया। उनके दरबार में पहुंचकर हम वहीं के होकर रह गए। या यूं कहें कि हम उनके दर्शन करने के समय सब कुछ भूलकर बस उनके ध्यान में ही मग्न हो गए थे। दर्शन करने के बाद एक ऐसी ऊर्जा का अहसास हो रहा था कि मानो शरीर से भारी थकान दूर हो गई हो।

यात्रा का दूसरा पड़ाव नैनीताल में मां नैनादेवी का मंदिर था। वहां पहुंचने से पहले हमें हरे-भरे पेड़ों से घिरे पहाड़ी रास्तों से होकर गुजरना था। पहाड़ों की हरियाली ने हमारा मन मोह लिया। फिर जब हम दरबार पहुंचे तो मां के कमल नयन देखकर हमारी आंखें खिल उठीं। आंखों में आंसू स्वतः ही आने लगे थे। मां का ध्यान कर हमने आंसूओं से उनको प्रणाम किया। मंदिर में बेहद साफ-सफाई देखने को मिलती है। साथ ही वहां एक अलग सुकून मिलता है।

हमारी यात्रा का आखिरी पड़ाव जागेश्वर धाम था। जागेश्वर धाम भगवान शिव का मंदिर ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। यह लगभग 2500 वर्ष पुराना मंदिर है। शिव पुराण, लिंग पुराण और स्कंद पुराण आदि पौराणिक कथाओं में भी मंदिर का उल्लेख है। मंदिर में शिलालेख और इसकी नक्काशी देखकर मन मोहित हो जाता है। बताया जाता है कि इस मंदिर के अंदर करीब 124 ऐसे छोटे-छोटे मंदिर बने हुए हैं, तो हमारे लिए एक साथ इतने मंदिरों का दर्शन करना अपने आप में परम सौभाग्य की बात रही।

हर सफर में आनंद तो होता है लेकिन उसके साथ कई दुश्वारी भी आती हैं। जाम का झाम सिर्फ हमारा लखनऊ ही नहीं बल्कि उत्तराखंड भी झेल रहा है। यही वजह है कि हमें भी जाम के चलते एक दिन भीमताल में गुजारनी पड़ी। इस सफर की सबसे खास बात रही कि एक तो लंबे काम के बीच छुट्टियों ने मन को शांति दी तो वहीं दूसरी तरह परिवार के साथ प्यार के कई खूबसूरत पलों को साथ जीने का अवसर मिला। आशा और अभिलाषा दोनों हैं कि फिर हम जल्द इसी तरह किसी हसीन सफर पर निकलेंगे।

PHOTO VIDEO ASIA 2025
29 30 31
AUGUST 2025
PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI
HALL NO. 8-9-10-11
LATEST INDUSTRY TRENDS
NEW BUSINESS OPPORTUNITIES
NETWORK WITH INDUSTRIAL LEADERS
PRODUCTS DEMO
WORKSHOP SEMINAR
FOR FREE ENTRY GIVE MISS CALL ON
63573 91003
OR
SCAN QR CODE
REGISTRATION SPONSOR
DATA ENGINEERS
SILVER SPONSOR
Sun
Visual Technology
SILVER SPONSOR
GEE7
SILVER SPONSOR
Lexar
Live For The Memory
SILVER SPONSOR
KK JAIN COLOUR LAB
BAG SPONSOR
Jona
LED
MEDIA PARTNER
संवाद
ORGANISED BY
AAKAR EXHIBITION
AAKAR EXHIBITION PVT LTD.

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in